

जल जीवन का आधार है। यह सबसे महत्वपूर्ण संसाधन है जो सभी जीवित प्राणियों और हमारे ग्रह के भविष्य को बनाए रखता है। आज जब विश्व जल संकट का सामना कर रहा है, तो हमारे लिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हम जल का संरक्षण करें और अपने दैनिक जीवन में सतत् उपायों को अपनाएँ।

मैं विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और सभी संबंधित व्यक्तियों से आग्रह करता/करती हूँ कि वे खुले नलों को बंद करने, लीक हो रहे पाइपों को ठीक कराने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने और जल की बर्बादी से बचने जैसी आदतें अपनाएँ। ये छोटे-छोटे प्रयास भले ही मामूली लगें, लेकिन जब इन्हें मिलकर और निरंतर किया जाता है, तो इनका प्रभाव बहुत बड़ा होता है।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर योगदान देकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और हरित भविष्य का निर्माण करेंगे।

Water is the foundation of life. It is the most vital resource that sustains all living beings and the future of our planet. Today, when the world is facing a scarcity of water, it becomes our utmost responsibility to conserve water and adopt sustainable practices in our daily lives.

I urge students, staff, parents, and all stakeholders to adopt habits such as turning off open taps, fixing leaking pipes, encouraging rainwater harvesting, and avoiding the wastage of water. Though these small acts may seem insignificant, together and consistently they contribute to a larger impact.
Let us pledge to work together and contribute both individually and as a society towards a better and greener future for our generations to come.